MAHARAJA AGRASEN INSTITUTE OF MANAGEMENT STUDIES
(A unit of Maharaja Agrasen Technical Education Society)
Affiliated to GGSIP University; Recognized u/s 2(f) of UGC
Recognized by Bar Council of India; ISO 9001: 2015 Certified Institution
Maharaja Agrasen Chowk, Sector 22, Rohini, Delhi - 110086, INDIA
Tel. Office: 8448186947, 8448186950 www.maims.ac.in

बरगद का वृक्ष (Banyan Tree)

बरगद के पेड़ को वट वृक्ष या बड़ के पेड़ भी कहा जाता है। महिलाएं बट सावित्री की पूजा के दौरान बरगद के पेड़ की पूजा करती हैं। बरगद का पेड़ बहुत विशाल और बड़े-बड़े पत्तों वाला होता है। धार्मिक प्रयोजन में इस्तेमाल होने के कारण इसे अक्सर मंदिरों के आस-पास देखा जा सकता है। यह बाग-बगीचे या सड़कों के किनारे भी मिलता है
बरगद का वृक्ष विशाल तना और शाखाओं वाला होता है। यह बहुत ही छायादार और लंबे समय तक जीवित रहने वाला पेड़ है। इसकी सबसे बड़ी खूबी है कि यह अकाल के समय भी जीवित रहता है |

- **बरगद के उपयोगी भाग** : पत्ते, जड़, फल, बीज, फूल

बरगद के पेड़ के फायदे और उपयोग

- वृक्ष के स्वच्छ कोमल पत्तों के रस में, बराबर मात्रा में सरसों का तेल मिला लें। इसे आग पर पका लें। इस तेल को बालों में लगाने से बालों की सभी प्रकार की समस्याएं दूर होती हैं।
- बरगद के दूध से आखों की समस्याएं दूर होती हैं।
- नाक से खून आने पर बरगद के औषधीय गुण से लाभ होता है।
- कान में यदि फुंसी हो तो वट वृक्ष के दूध की कुछ बूंदों में सरसों के तेल मिलाकर काने में डालें। इससे कान की फुंसी ठीक हो जाती है।
- बरगद के औषधीय गुण से चेहरे की चमक में बढ़ोतरी होती हैं।
- दांतों में दर्द हो रहा है तो दर्द वाले स्थान पर बरगद का दूध लगाएं। इसमें आराम मिलता है।
- बरगद की जड़ का दातून बनाकर मंजन करने से दांतों का दर्द और मुंह से आने वाली बदबू दूर होती है।
- वट वृक्ष के दूध (आक्षीर) का लेप करने से कंठ के रोग जैसे टॉन्सिल रोग में लाभ होता है।
- बरगद के औषधीय गुण से खांसी और जुकाम का इलाज होता है।
- वट वृक्ष की 8-10 कोपलों का सेवन दही के साथ करने से दस्त में लाभ होता है।
- ग्राम वट वृक्ष की जटा के अंकुर लें। इसे जल में घोटकर छान लें। इसे पिलाने से खून की उल्टी बन्द हो जाती है।
- बार-बार प्यास लगने की समस्या में बरगद का गुण लाभदायक होता है।
- बरगद के पत्तों के सेवन से खूनी बवासीर में लाभ होता है।
- मधुमेह (डायबिटीज) में बरगद की छाल से होता है।
- मूत्र रोग (पेशाब की समस्या) में बरगद के बीज से फायदा होता है।

- मासिक धर्म विकार में बरगद के सेवन से फायदा होता है।
- गर्भाधारण के दौरान छाए में सुखाए गए छाल के चूर्ण को लस्सी के साथ सेवन करें। इससे गर्भपात नहीं होता।
- कमर दर्द में वट वृक्ष के दूध से लाभ होता है।
- शरीर को पुष्ट बनाने के लिए बरगद के फल का सेवन फायदेमंद होता है।
- याद्दाश्त बढ़ाने के लिए वट वृक्ष की छाल फायदेमंद है।
- साधारण घाव पर वट वृक्ष के दूध को लगाने से वह जल्दी ठीक होता है।
- फोड़े और फुन्सियों पर वट वृक्ष के पत्तों को गर्म कर बांधने से वे जल्द ही पक कर फूट जाते हैं।
- बरगद के दूध से कुष्ठ रोग का इलाज होता है।
- बरगद के दूध से रसौली का इलाज होता है।
- बरगद के पत्तों से खुजली दूर होती है।
- कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में फायदेमंद होता है बरगद का पेड़
- त्वचा के लिए बरगद - फल फायदेमंद होता है।
- वट वृक्ष के पत्तों पर घी चुपड़कर सूजन पर बांधने से जल्द लाभ होता है|